श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 9 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 अगस्त 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपतिश्री का पिपलौदा में भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमणवृन्द एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द का दिनांक 12 जुलाई 2019 को श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शोभायात्रा के साथ हुआ।

भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा श्री शंखेश्वर धाम से प्रारम्भ होकर कर नाका नं. 1, झाला चौराहा, नवीन बस स्टेण्ड, नाका नं. 2, झण्डा चौक, जवाहर चौक होते हुए वाटिका स्थित प्रवचन सभागार में पहुँचक कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

मंगल प्रवेश पर नगर में आकर्षक सजावट की गई। शोभायात्रा में सर्वप्रथम रंगोली गाड़ी, गगन साऊण्ड, ऊँट, धर्मध्वज लिए घुड़सवार, आदिवासी नृत्य मण्डली, हाथी, सुसज्जित रथ, नासिक ढोल वादक, 7 बग्घियाँ, शहनाई वादक, सरस्वती बैण्ड, कलश लिए महिलाएँ, बीजापुर राजस्थान बैण्ड आदि 29 झाँकियाँ आकर्षण का केन्द्र रहीं। महिला परिषद् ने डाण्डिया रास किया गया एवं अलीराजपुर के कलाकारों ने आदिवासी नृत्य कर मनमोहक प्रस्तुतियाँ की। पिपलौदा नगर के समस्त व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बन्द रखकर शोभायात्रा में भाग लिया।

धर्मसभा का शुभारम्भ गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण से हुआ। शब्दों द्वारा स्वागत चातुर्मास प्रभारी श्री राकेश जैन ने किया। गच्छाधिपतिश्री की प्रथम गहुँली व नवकारसी एवं दोनों समय के स्वामीवात्सल्य का लाभ चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्री राकेशकुमार, मुकेशकुमार, रतनलाल जैन परिवार इन्दौर ने, प्रथम कलश का लाभ श्री चेतन, विवेक, प्रकाशचन्द्र जैन परिवार सावेर ने लिया तथा गच्छाधिपतिश्री को काम्बली ओढ़ाने का लाभ श्री मिलापचन्द्र परिवार एवं गुरुपूजन का लाभ श्री भैरूलाल सेठ जालोर वालों ने लिया। गुरुभक्त द्वारा जीवदया में एक लाख से अधिक दान दिया गया।

इस अवसर पर श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाघजीभाई वोरा, परिषद् राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन, संघ के परामर्शदाता व रतलाम विधायक श्री चैतन्यजी काश्यप, राष्ट्रीय

(शेष पृष्ठ 2 पर)

धनचन्द्रसूरि पाटगादी धानेरा नगर में आचार्यदेवेशश्री का भव्य मंगल प्रवेश

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य चर्चा-चक्रवर्ती आचार्यदेव श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादीं पुण्यवन्त धर्मधरा धानेरा नगरी में प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजीं म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमणवृन्द एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द का दिनांक 13 जुलाई 2019 को भव्य ऐतिहासिक चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ।

भव्य शोभायात्रा श्री पारस सोसायटी, धानेरा से प्रारम्भ हुई जिसमें सुसज्जित बग्घियाँ जिसमें दादा गुरुदेव का चित्र, श्री बृहद् अभिधान राजेन्द्र कोष एवं पुण्य-सम्राट का चित्र लिए बैण्ड-बाजों की मधुर स्वरावलियों के साथ, ढोल आदि की थाप

पर नृत्य करते हुए नवयुवक जयघोष गुँजाते हुए चल रहे थे। महिलाएँ मस्तक पर मंगल कलश लिए केसरिया परिवेश में गीत गुँजार करते चल रहीं थीं। समाज के गणमान्य अतिथियों एवं हजारों गुरुभक्तों की उपस्थिति में भव्य शोभायात्रा नगरपालिका, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड से मुख्य बाजार में परिभ्रमण करती हुई श्री शान्तिनाथ जिनालय पहुँची जहाँ दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् गुरुमन्दिर में दर्शन-वन्दन करते हुए दाखा दरवाजा स्थित श्री अम्बाजी मन्दिर प्रांगण में पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

धर्मसभा का शुभारम्भ आचार्यदेवेशश्री ने मंगलाचरण करते हुए किया। आचार्यदेवेशश्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि धानेरा नगर की पुण्यवन्त धरा दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर चर्चा चक्रवर्ती आचार्य श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादी भूमि है एवं इसके कण-कण में धर्म की सुवास फैली हुई है। इस चातुर्मास में तप-जप एवं धर्मक्रियाओं के माध्यम से धर्माराधना करते हुए इस मनुष्य जन्म को सफल बनाते हुए उत्कृष्ट जिनशासन प्रभावना के कार्य करते हुए समाज को एकसूत्र में पिरोने का कार्य करना हमको करना है।

इस अवसर पर आचार्यदेवेशश्री ने सायला निवासी श्रीमान् छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार को तीर्थराज श्री सम्मेदशिखरजी आदि तीर्थयात्रा हेतु फोलामुथा एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन द्वारा लगभग 1000 यात्रियों का संघ एवं वल्लभीपुर तीर्थ से तीर्थाधिराज श्री शत्रुंजय महातीर्थ-पालीताणा का छःरी पालित संघ का शुभ मुहूर्त लाभार्थी फोलामुथा परिवार को प्रदान किया। जिसका वाचन कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने किया।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com

/bhandavpur +91-7340009222

गच्छाधिपतिश्री का पिपलौदा में.....

(पृष्ठ 1 का शेष)

महामन्त्री श्री सुरेन्द्रजी लोढ़ा, प्रदेश त्रिस्तुतिक संघ के अध्यक्ष श्री सुरेशजी तांतेड़, नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धरू, राष्ट्रीय पर्यावरण मन्त्री व जावरा नगरपालिका अध्यक्ष श्री अनिलजी दसेड़ा, परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल, रमेशजी धारीवाल, मोहितजी तातेड़, ब्रजेशजी बोहरा, सुधीरजी लोढ़ा, नगरपालिका अध्यक्ष श्री श्यामबिहारीजी पटेल, जापानी गुरुभक्त आदि श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार के राष्ट्रीय पदाधिकारी व सदस्य एवं नगर और निकटवर्ती क्षेत्र के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

धर्मसभा में प. पू. गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि पिपलौदा नगर में पुण्य-सम्राट के वरद् हस्तों से मध्यप्रदेश की अन्तिम प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी एवं इसी नगर में सामूहिक दीक्षा का मुहूर्त अर्पण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। पिपलौदा वासियों की गुरुभक्ति अनुमोदनीय है। पुण्य-सम्राट की कृपा सम्पूर्ण पिपलौदा पर बरस रही है उसी का प्रत्यक्ष उदाहरण आज सबको दिख रहा है कि श्री शंखेश्वर धाम पुण्य-सम्राट के कथन से आज तीर्थ स्थली के रूप में विख्यात हो रहा है।

धर्मसभा का संचालन संघ के राष्ट्रीय मन्त्री श्री मनोहरलालजी पौराणिक ने अपने उत्कृष्ट शब्द संयोजन में किया। पधारे हुए सभी अतिथियों एवं गुरुभक्तों का आभार श्री शैलेन्द्र कटारिया ने ज्ञापित किया। तरुण परिषद् द्वारा विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया।

योगी-वाणी

ताकत और पैसा जिन्दगी के फल हैं। जबकि, परिवार और मित्र जिन्दगी की जड़ है।

हम फल के बिना अपने आपको चला सकते हैं, परन्तु जड़ के बिना खड़े भी नहीं हो सकते हैं।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

साध्वीश्री की निश्रा में 8 वीं वर्षगाँठ

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री पूर्णकिरणाश्रीजी म. सा., श्री कल्परेखाश्रीजी म. सा., श्री परमरेखाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में पालड़ी-अहमदाबाद स्थित श्री अवन्ती पार्श्वनाथ जिनालय एवं उसमें विराजित अनन्त लब्धिनिधानाय श्री गौतमस्वामीजी, विश्वपूज्य श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. गुरुमन्दिर की 8 वीं वर्षगाँठ हर्षोल्लास के साथ विविध कार्यक्रमों के साथ दिनांक 23-7-2019 को मनाई गई।

पूज्या साध्वीजी भगवन्तों की निश्रा में प्रातः 6.30 बजे प्रभातिया किया गया। प्रातः 9 बजे सकल श्रीसंघ द्वारा अठारह अभिषेक किया गया। संगीत के द्वारा विधि विधान एवं भक्ति भावना श्री कुणालभाई सुराणी ने मधुर कण्ठ से कराई। दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक महिलाओं द्वारा सामूहिक सामायिक का आयोजन लिया जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ सामायिक की।

इस अवसर पर जिनालय को पुष्पों से सुसज्जित किया गया एवं प्रभुजी एवं गुरुदेव की नयनाभिराम अंगरचना की गई। मिठाई के लाभार्थी वोहरा ताराबेन रसिकलाल उगरचन्दभाई परिवार का बहुमान किया गया।

श्री पेलेस मोरखिया ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 28-7-2019 को श्री राजेन्द्रसूरि आराधना भवन, पालड़ी-अहमदाबाद में साध्वीश्री पूर्णकिरणाश्रीजी म. सा. की निश्रा में प्रातः 8 बजे से 1 बजे तक भव्यातिभव्य 45 आगम पूजा संगीत की सुरावलियों के साथ पढ़ाई गई। जिसका लाभ वोरा बबीबेन राजमल बादरमल परिवार ने लिया। श्री राजेन्द्रसूरि आराधना भवन द्वारा लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया। इस अवसर पर विशाल संख्या में गुरुभक्तों की उपस्थिति रही। पूज्या साध्वीजी की निश्रा में 8 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों का शिविर प्रत्येक रविवार को आयोजित हो रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर विदेशी भक्तों ने किया ज्ञानप्रदाता पंडितवर्यों का बहुमान

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में गुजरात के पाटण नगर में पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजयजयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के उपदेश को ग्रहण कर जैनधर्म और भारतीय संस्कृति को अंगीकार करने वाले विदेश के अनेक गुरुभक्तों में से गुरु पूर्णिमा पर भारत पधारे 6 गुरुभक्तों ने पाटण में जैनधर्म के विभिन्न समुदायों के वर्तमान में लगभग 65 से अधिक श्रमण-श्रमणिवृन्द को अध्ययन करवा रहे पण्डितश्री चन्द्रकान्तभाई संघवी आदि का बहुमान किया गया। विदेशी गुरुभक्तों के पुण्य-सम्राट ग्रुप और तुलसीबेन की ओर से त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण के सदस्यों ने बहुमान करते हुए गुरु पूर्णिमा के सुअवसर पर ज्ञानप्रदाता पण्डितवर्यों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

साध्वीश्री का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं संघ एकता शिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री डॉ. दर्शितकलाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री डॉ. चिन्तनकलाजी म. सा. आदि ठाणा का भव्य चातुर्मास प्रवेश दिनांक 12-7-2019 को राजगढ़ राजेन्द्र भवन से श्री मोहनखेड़ा तीर्थ स्थित श्री जयन्तसेन म्यूझियम में हर्षोल्लास के साथ भव्य सामैया द्वारा हुआ।

इस अवसर पर श्री जयन्तसेन म्यूझियम ट्रस्ट मण्डल परिवार, राजगढ़, टाण्डा, पारा, इन्दौर, रिंगनोद आदि श्रीसंघ, परिषद् परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। म्यूजियम ट्रस्ट मण्डल द्वारा पूज्या साध्वीजी म. सा. की गहुँली करते हुए अगवानी की। म्यूझियम परिसर में श्री पार्श्वनाथ प्रभु, दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. एवं पुण्य-सम्राट के पुण्य कलश के दर्शन-वन्दन कर पू. साध्वीश्री के मंगलाचरण के साथ धर्मसभा आयोजित की गई।

साध्वीश्री ने चातुर्मास का महत्त्व बताते हुए सभी को संकेत किया कि इस भव को सफल बनाना है तो आपको धर्म मार्ग पर चलते हुए चातुर्मास में अधिक से अधिक तप-जप-त्याग-तपस्या करते हुए धर्माराधना करके पुण्यों का उपार्जन करना चाहिये। धर्मसभा के अन्त में सभी को साध्वीश्री ने माँगलिक श्रवण कराया। ट्रस्ट मण्डल द्वारा पधारे हुए अतिथियों एवं गुरुभक्तों हेतु नवकारसी का आयोजन किया गया।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

परिषद् के हीरक जयन्ती वर्ष में गौशाला में पौधरोपण कार्यक्रम

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के हीरक जयन्ती वर्ष के अवसर पर श्री राज-राजेन्द्र गौपाल गौशाला, राणापुर में परिषद् की स्थानीय शाखा द्वारा 60 छायादार पौधों का गौशाला परिसर में रोपण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्री प्रबल सिपाहा, विशेष अतिथि शिवगंगा के संयोजक श्री महेश शर्मा, नगर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती सुनीता अजनार, गौशाला अध्यक्ष श्री हरिओम दुबे, तहसीदार श्री नितीन चौहान आदि अतिथियों ने दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. एवं पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन करके किया।

सभी अतिथियों का स्वागत परिषद् एवं गौशाला समिति की ओर से पंचरंगी उपरणा पहनाकर किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री प्रबल सिपाहा ने कहा कि विदेशों में प्रति व्यक्ति के अनुपात में 300 पेड़ होते हैं और भारत में प्रति व्यक्ति के अनुपात में मात्र 30 पेड़ ही है और उन्हें भी हम काटते जा रहे हैं। हम सभी के खाने में बढ़ती यूरिया की मात्रा को रोकने के लिए ऐसे आयोजनों के माध्यम से विशाल संख्या में पौधरोपण करना चाहिये। गौधन का उपयोग करते हुए उनके गोबर से बनने वाली जैविक खाद का उपयोग खेतों में करना चाहिये। श्री सुनिता अजनार ने परिषद् की हीरक जयन्ती पर बोलते हुए कहा कि बहुत कम संस्थाएँ होती है जो 60 वर्षों तक सफलतापूर्वक चलती है। उन्होंने इसके लिए परिषद् परिवार को बधाई देते हुए अनुमोदना की। मुनिसुव्रत जिनालय के अध्यक्ष श्री चन्द्रसेन कटारिया, श्री महेश शर्मा, परिषद् अध्यक्ष श्री पवन नाहर आदि ने अपने विचार प्रकट किए।

इस अवसर पर इस कार्यक्रम में ट्री गार्ड, पौधे आदि सामग्री के लाभार्थी प्रकृति प्रेमी श्री वीरेन्द्र रतनलाल नाहर का परिषद् द्वारा कलेक्टर श्री प्रबल सिपाहा के करकमलों से बहुमान किया गया तथा उनकी ओर से सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेंट किए गए। संचालन श्री रजनीश नाहर ने किया एवं आभार श्री ललित सालेचा ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य, पत्रकार, समाज एवं अन्य समाज के कई व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रथम बार सवा करोड़ अर्हम् पद जाप

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री डॉ. अमृतरसाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभ निश्रा में श्री पार्श्वप्रधान पाठशाला, नागदा जं. में चातुर्मास प्रारम्भ से चातुर्मास समापन तक महामन्त्र के प्रथम पद के सवा करोड़ जाप हेतु प्रतिदिन 25 सदस्यों द्वारा जाप किया जा रहा है।

दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. ने आठ अट्ठाई व आठ पारणा करके माँगीतुंगी पहाड़ पर अर्हम् पद का जाप किया था, उसी का अनुसरण करते हुए नागदा में सवा करोड़ जाप का प्रथम बार होने जा रहा है। साध्वीश्री की निश्रा में इस भव में व भवान्तर में अणिमादि महासिद्धियों की प्राप्ति हेतु आराधकों द्वारा 16 दिवसीय अष्ट महासिद्धि तप दिनांक 17-7-2019 से किया जा रहा है। जिसमें एक दिन उपवास एक दिन बियासणा किये जायेंगे। बियासणा लाभार्थी परिवार द्वारा पार्श्वप्रधान पाठशाला में कराये जा रहे हैं। मधुकर चातुर्मास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में आराधना की कड़ी में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ के अट्ठम तप की तपस्या कराई जाएगी एवं 15 अगस्त 2019 तक नवकार आराधना का आयोतन लाभार्थी परिवार के सहयोग से आयोजित होगा।

साध्वीजी द्वारा प्रतिदिन प्रवचन का लाभ श्रावक-श्राविकाएँ ले रहे है तथा दर्शनार्थ गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है।

महिला तपस्वियों का होगा बहुमान

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के दिव्याशीष एवं पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् इस चातुर्मास में राष्ट्रीय स्तर पर महिला परिषद् की तपस्वी बहिनों का बहुमान करना चाहती है।

महिला परिषद् की राष्ट्रीय महामन्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक महिला शाखा अध्यक्ष अपने यहाँ चल रही तपस्याओं में आठ उपवास या इससे अधिक तपस्या करने वाली सभी महिला परिषद् की सदस्याओं का नाम व शहर आदि जानकारी लिखकर बहुमान के लाभार्थी- राष्ट्रीय महामन्त्री, श्रीमती पद्मा-हेमेन्द्रजी सेठ, राणापुर को लिखकर भिजवा देवें। अ. भा श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी तपस्वी बहिनों का बहुमान किया जायेगा।

आप पधारे - भाग्य हमारे... !

(तर्ज- माई री माई तेरी मुण्डेर पर....)

आया रे आया, धानेरा नगरी, जयरत्नसूरिजी आया।
दर्शन-वन्दन-स्वागत करके, सकल संघ हर्षाया।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव,
सब मिल बोलो जय गुरुदेव ।। स्थाई ।।

शान्तिविजयजी गुरुवर पाए, जस्सीबाई सुत प्यारे।
बागरा नगरी जन्में गुरुवर, सुरताराम्जी तारे।
ममता-मारी, समता-धारी, सूरि पद को पाया ।।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव ।। 1 ।।

दर्शन के प्यासे थे गुरुवर, नयन कमल हमारे।
कब आएँगे संघ दुलारे, पूज्य गुरुवर द्वारे।
आप पधारे, भाग्य हमारे, दर्शन लाभ कमाया ।।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव ।। 2 ।।

तीर्थप्रेरक बनकर गुरु ने, तीरथ कई सँवारे।
संघ एकता की बातें कर, द्वेष मिटाये सारे।
पुण्य-सम्राट के पट्टधर बनकर, गुरु का नाम दीपाया ।।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव ।। 3 ।।

दूर-दूर से नगर-नगर से, आए हैं नर-नारी।
धानेरा के भाग्य जाग गए, गुरुवर की बलिहारी।
करके वन्दन अरु अभिनन्दन, ज्ञान का दान है पाया ।।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव ।। 4 ।।

अशोक आनन्द जिनरत्नविजयजी, शिष्य दुलारे लाए।
सूर्यकिरणाजी साध्वी मण्डल, सब जन के मन भाए।
त्याग-तपस्या करें आराधन, धर्म का मर्म बताया ।।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव ।। 4 ।।

धनचन्द्रसूरि की पाटगादी, शान्तिनाथ मन भाए।
राजेन्द्र-जयन्त-शान्ति गुरुवर, शुभाशीष बरसाए।
पारदर्शी गुरु चरण कमल में, 'प्रियदर्शी' पुष्प चढाया ।।
जय गुरुदेव-जय गुरुदेव ।। 5 ।।

-कुलदीप 'प्रियदर्शी',
उदयपुर (राज.

मुनिराजश्री की निश्रा में ज्ञान-ज्योत अभियान

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री जिनागमरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, अहमदाबाद (थराद) एवं श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक मण्डल, अहमदाबाद द्वारा संचालित ज्ञान-ज्योत अभियान के अन्तर्गत त्रिस्तुतिक जैन संघ अहमदाबाद-थराद के प्रत्येक श्रावक-श्राविका एवं बच्चों के लिए धार्मिक प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जिसमें वंदित्तु, सकलार्हत्, अजित शान्ति, अतिचार सूत्र याद करने पर उनको पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी।

चारों सूत्रों को याद करने वाले के लिए 10 लक्की ड्रा निकाल कर स्वर्ण से सम्मानित किया जायेगा। इसमें 5 वर्ष से 10 वर्ष के बच्चों के लिए विशिष्ट तीन पुरस्कार 11000/-, 5100/-, 4100/- रुपये लक्की ड्रा निकाल कर द्वारा प्रदान किये जायेंगे। सम्पूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी वोरा मथुरीबेन चिमनलाल त्रिभुवनदास परिवार-थराद हैं।

फार्म प्राप्त करने हेतु श्री चम्पकभाई वोरा, श्री सुवास सिन्थेटिक्स, रतनपोल अहमदाबाद मो. 9825066245 पर सम्पर्क कर सकते है। सभी आवश्यक सूचनाएँ फार्म में प्रकाशित की गई है।

जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

धनचन्द्रसूरि की धन्यधरा पर....(शेष पृष्ठ 1 का)

धर्मसभा में अपने उद्गार प्रकट करते वक्तागण

मंगल प्रवेश की वेला में पधारे अतिथियों एवं गुरुभक्तों ने शब्दों एवं काव्य के द्वारा संघ एकता के शिल्पी आचार्यदेवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द का आत्मीय अभिनन्दन करते हुए स्वागत किया। जिसमें श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाघजीभाई वोरा-अहमदाबाद, श्री ओ. सी. जैन-बैंगलोर, श्री जयन्तीलालजी वकील सा.-थराद, मध्यप्रदेश त्रिस्तुतिक संघ के अध्यक्ष श्री सुरेशजी तांतेड़, श्री प्रकाशजी कांठेड़-जावरा, परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल, भाण्डवपुर महातीर्थ के ट्रस्टी श्री काजूमलजी आदि ने भाण्डवपुर तीर्थोद्धार आचार्यदेवेशश्री के द्वारा किए जा रहे जिनशासन के कार्यों की अनुमोदना करते हुए चातुर्मास की सफलता के लिए मंगलकामना अभिव्यक्त की।

लोकार्पण करते

मंगल प्रवेश प्रसंग पर यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित पंच प्रतिक्रमण सूत्र (सचित्र) पुस्तक एवं प. पू. विदुषी साध्वीजीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. के 50 वें संयम-पर्याय के उपलक्ष्य में श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट), श्री वर्धमान-राजेन्द्र भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट-मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित 'सूर्य संयम स्वर्ण स्मारिका' फोल्डर का लोकार्पण श्री भाण्डवपुर महातीर्थ से पधारे ट्रस्टीगण श्री नरपतजी-सुराणा, श्री मूलचन्दजी बालगोता, काजूभाई-भीनमाल, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक के स. सम्पादक कुलदीप प्रियदर्शी आदि ने किया।

धर्मसभा के अन्त में श्री धानेरा श्रीसंघ द्वारा आचार्यदेवेशश्री को काम्बली

धानेरा श्रीसंघ काम्बली ओढ़ाते हुए

ओढ़ाई गई पश्चात् पधारे हुए सभी अतिथियों व गुरुभक्तों को सूरिमन्त्राराधकश्री ने माँगलिक श्रवण कराया। श्रीसंघ की ओर से स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नगर निवासियों के अतिरिक्त चैन्नई, बैंगलार, बड़नगर, जावरा, थराद, बाग, थराद, डीसा, अहमदाबाद, जालोर, सायला, भीनमाल, सुराणा, मेंगलवा, उदयपुर आदि नगरों के अतिरिक्त निकटवर्ती नगरों के श्रीसंघ प्रतिनिधि एवं कई गुरुभक्त उपस्थित थे।

धानेरा नगर में आचार्यदेवेशश्री के मंगल प्रवेश की चित्रमयी झलकियाँ

वासक्षेप करते आचार्यदेवेशश्री

मंगल प्रवेश पर गहूँली करते गुरुभक्त

आचार्यदेवेशश्री को मंगल कलश से बधाते

शोभायात्रा में साध्वीवृन्द एवं श्राविकाएँ

धर्मसभा में उपस्थित अतिथि एवं श्रावक-श्राविकाएँ

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

✲ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✲
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेड़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।
✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईज फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित